

# Umeed Ki Koi Shama Lyrics

## हिंदी

उम्मीद की कोई शमां जलती नहीं  
 क्यूँ रात ये गम की मेरे ढलती नहीं  
 उम्मीद की कोई शमां जलती नहीं  
 क्यूँ रात ये गम की मेरे ढलती नहीं

कई बार जो गये थे  
 कहीं जाके खो गये थे  
 वो मौसम तो फिर आ गये

हाँ हमें जो भिगो गये थे  
 नशे में डूबो गये थे  
 वो बादल तो फिर छा गये

लेकिन खबर महबूब की मिलती नहीं  
 क्यूँ रात ये गम की मेरे ढलती नहीं  
 उम्मीद की कोई शमां जलती नहीं  
 क्यूँ रात ये गम की मेरे ढलती नहीं

ये कैसी है बेवफाई  
 मेरी याद भी ना आयी  
 बहुत मैंने चाहा जिन्हें

हाँ तसव्वुर में छाये हैं वो  
 जहन में समाये हैं वो  
 तो मैं कैसे भुलूँ उन्हें

उनके बिना दिल की कली खिलती नहीं  
 क्यूँ रात ये गम की मेरे ढलती नहीं  
 उम्मीद की कोई शमां जलती नहीं  
 क्यूँ रात ये गम की मेरे ढलती नहीं.

लिरिक्सबोगी.कॉम

More Lyrics from [Bewafa Sanam Vol-1](#)

## English

Ummid ki koi shama jalti nahi  
 Kyun raat ye gam ki mere dhalti nahi  
 Ummid ki koi shama jalti nahi

Kyun raat ye gam ki mere dhalti nahi

Kayi baar jo gaye the  
Kahi jaake kho gaye the  
Wo mausam to phir aa gaye

Hame jo bheego gaye the  
Nashe me dubo gaye the  
Wo badal to phir chha gaye

Lekin khabar mehboob ki milti nahi  
Kyun raat ye gam ki mere dhalti nahi  
Ummid ki koi shama jalti nahi  
Kyun raat ye gam ki mere dhalti nahi

Ye kaisi hai bewafai  
Meri yaad bhi naa aayi  
Bahut maine chaha jinhe

Ha tassvir me chhaye hai wo  
Zahen me samaaye hai wo  
To mai kaise bhulu unhe

Unke bina dil ki kali khilti nahi  
[Lyricsbogie.com](http://Lyricsbogie.com)  
Kyun raat ye gam ki mere dhalti nahi  
Ummid ki koi shama jalti nahi  
Kyun raat ye gam ki mere dhalti nahi.

More Lyrics from [Bewafa Sanam Vol-1](#)